C B C S

Core Course – 1

बी. ए. (आँनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 1 समय : तीन घंटे

पत्र – 1 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे – क.) साहित्य का इतिहास लेखन, उसकी आवश्यकता एवं उपयोगिता को समझ सकेंगे\ख.) साहित्य के विकास एवं परिवर्तन प्रक्रिया को जानेंगें | ग) हिन्दी साहित्य के इतिहास विभाजन को जान सकेंगे\ घ) हिन्दी साहित्य इतिहास के विभिन्न कालखंडों की विशेषताओं से परिचित हो सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल, मध्यकाल

पाठ्यविषय :-

1 (क) साहित्य के इतिहास की अवधारणा, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन,नामकरण |
(ख) आदिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृतियाँ एवं साहित्यिक परिचय
2 भक्तिकाल : परिस्थितियाँ, निर्गुण काव्यधारा – ज्ञानमार्गी काव्यधारा एवं प्रेममार्गी काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ |
3 भक्तिकाल : सगुण काव्यधारा – कृष्ण काव्यधारा एवं राम काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ
4 रीतिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, काव्यधाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ |
(कवि – परिचय से सम्बद्ध प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे) |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |
2 हिन्दी साहित्य की भूमिका– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
3 हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
4 हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना |
5 हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग -1 और 2) – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
6 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली |

7 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
8 हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली |
9 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (खण्ड -1 और 2) – गणपतिचन्द्र गुप्त,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
10 हिन्दी साहित्य का अलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

C B C S

Core Course – 2

बी. ए. (आँनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 1 समय : तीन घंटे

पत्र – 2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क) भक्तिकाल के महत्वपूर्ण कवियों की कविताओं को जान सकेंगे
***विशेष** – अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

मध्यकालीन कविता

पाठ्यविषय :-

1 कबीरदास : कबीर ग्रंथावली, संपा श्यामसुंदर दास, साखी – गुरुदेव को अंग -20, सुमिरण को अंग -15, विरह को अंग -15 |
2 सूरदास : सूरसागर सार, सं. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्यभवन लिमिटेड, इलाहाबाद विनय के पद : 1 से 15, राधा-कृष्ण -1-15 |
3 तुलसीदास : कवितावली, गीताप्रेस, गोरखपुर (केवल उत्तर कांड) छंद संख्या – 1 से 30 तक |
4 मीराबाई : मीराबाई की पदावली, सं. परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग, आरंभिक 25 पद

संदर्भ – ग्रंथ :

1 मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |

2 मीरा ग्रंथावली – कल्याण सिंह शेखावत, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
3 कबीर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
4 भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
5 गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |
6 तुलसीदास – माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद, इलाहाबाद |
7 कबीर का रहस्यवाद – रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन लि. इलाहाबाद |
8 मीराबाई – डॉ. कृष्णदेव झारी, शारदा प्रकाशन, महरौली, नई दिल्ली |
9 त्रिवेणी – आचार्य रामचंद्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |
10 सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
11 जन-जन के कवि तुलसीदास : योगेन्द्र प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
12 तुलसीदास : रामचंद्र तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
13 पूरा कबीर : सं. बलदेव वंशी, प्रकाशन, संस्थान, नई दिल्ली |

C B C S

Core Course – 3

बी. ए. (आँनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 2 समय : तीन घंटे

पत्र – 3 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क) हिन्दी साहित्य इतिहास के आधुनिककाल की महत्वपूर्ण विशेषता को जान सकेंगे |ख) आधुनिककाल से सम्बधित काव्य विषयों के साथ साथ गद्य विधायों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को जान सकेंगे | **विशेष**-अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र देश-विदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल

पाठ्यविषय :-

1 (क) भारतेंदु काल : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ |
(ख) द्विवेदी काल : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ |

2 छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता |

3 कथा – साहित्य : हिन्दी कहानी और हिन्दी उपन्यास का विकास |

4 नाटक एकांकी, आलोचना, निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी |
(कवि / लेखक –परिचय से सम्बधित प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे) |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |

2 हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |

3 हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

4 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

5 छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन दिल्ली |

6 हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |

7 आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

8 प्रगतिवादी आन्दोलन का इतिहास – कर्ण सिंह चौहान, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली |

9 महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

10 हिन्दी नवलेखन – रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली |

11 समकालीन कविता : सम्प्रेषण का संकट, परमानंद श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

12 आलोचना के सौ बरस – सं. अरविन्द त्रिपाठी, शिल्पायन, दिल्ली |

13 हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

14 आधुनिक भारतीय नाट्य – विमर्श, जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

C B C S

Core Course – 4

बी. ए. (आँनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 2 समय : तीन घंटे

पत्र – 4 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क) हिन्दी साहित्य के एक विशेष कालखंड छायावाद से सम्बधित कवियों और उनकी काव्य विशेषताओं को |ख) छायावादयुगीन काव्य के महत्व से परिचित हो सकेंगें |
विशेष- *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे|*

आधुनिक हिन्दी कविता

पाठ्यविषय :-

1 जयशंकर प्रसाद : लहर से 5 कविताएँ –
(क) बीती विभावरी जाग रि (ख) अशोक की चिन्ता (ग) शेरसिंह का शस्त्र समर्पण
(घ) प्रलय की छाया (ड॰) उठ –उठ री लघु-लघु लोल लहर |

2 सुमित्रानंदन पंत : 5 कविताएँ – आधुनिक कवि : सुमित्रानंदन पंत –
(क) प्रथम रश्मि (ख) भारत माता (ग) गीत विहग (घ) बापू
(ड॰) यह धरती कितना देती है |

3 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : 5 कविताएँ – राग-विराग – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संख्या – 8,9,49,63,109 |

4 महादेवी वर्मा : 5 कविताएँ – आधुनिक कवि : महादेवी वर्मा – संख्या – 9,36,37,48,49, |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 निराला की साहित्य – साधना – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
2 महादेवी – इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
3 प्रसाद का काव्य – डॉ. प्रेमशंकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |
4 काव्य का देवता – निराला, विश्वम्भर मानव, लोकभारती प्रकाशन |
5 छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
6 सुमित्रानंदन पंत – डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
7 निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
8 पंत : काव्य, कला और दर्शन – नीरज : सुधा सक्सेना, आत्माराम एन्ड सन्स, दिल्ली |
9 महादेवी : दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |

C B C S

Core Course – 5

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 2 समय : तीन घंटे

पत्र – 5 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : 15 x 1=15

कुल = 75

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें - क) छायावादोत्तर काल से सम्बधित महत्वपूर्ण कविओं और उनकी काव्य विशेषता को |ख) छायावादोत्तर काल के काव्य महत्व से परिचित हो सकेंगें | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के विभिन्न प्रकार की उपयोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |*

छायावादोत्तर हिन्दी कविता

पाठ्यविषय :-

1 अज्ञेय

(क) कलगी बाजरे की (ख) नदी के द्वीप (ग) यह दीप अकेला (घ) नाच (ङ) कितनी नावों में कितनी बार

2 नागार्जुन

(क) यह दन्तुरित मुस्कान (ख) बादल को घिरते देखा है (ग) प्रेत का बयान

(घ) अकाल और उसके बाद (ङ) ऐसे भी हम क्या ! ऐसे भी तुम क्या |

3 सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

(क) सौन्दर्य बोध (ख) पिछड़ा आदमी (ग) दु:ख (घ) भूख (ङ) पत्नी की मृत्यु पर |

4 धूमिल

(क) गाँव (ख) घर में वापसी (ग) किस्सा जनतंत्र (घ) रोटी और संसद (ङ) मोचीराम

पाठ्य पुस्तक :

छायावादोत्तर काव्य संग्रह – सं. डॉ. रामनारायण शुक्ल, श्रीनिवास पाण्डेय, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी |

संदर्भ ग्रंथ :-

1 नागार्जुन की कविता – अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

2 सर्वेश्वर और उनकी कविता – कृष्णदत्त पालीवाल, लिपि प्रकाशन, दिल्ली |

3 अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन – चन्द्रकान्त वांडिवडेकर, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद |

4 कविता के नए प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

5 आधुनिक काव्यधारा – केशरी नारायण शुक्ल, नन्दकिशोर प्रकाशन, दिल्ली |

6 धूमिल : युग चेतना और अभिव्यक्ति – हरिचरन सिंह – संजय बुक सेन्टर, वाराणसी |

7 अज्ञेय का कवि – कर्म : रमेशचंद्र शाह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

8 जनवादी कवि का धूमकेतु : रविन्द्र भारती, अमित प्रकाशन, गाजियावाद |

9 अथातो काव्य जिज्ञासा : सं. मंजुल उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

10 सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का रचना –कर्म : कृष्णदत्त पालीपाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |

11 धूमिल की श्रेष्ठ कविताएँ, सं. ब्रम्हदेव मिश्र एवं शिवकुमार मिश्र, राजकमल, दिल्ली |

C B C S

Core Course – 6

बी. ए. (आँनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 3 समय : तीन घंटे

पत्र – 6 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें - क) भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत और उनके गुणों से परिचित होंगे |ख) रस अलंकार छंद के महत्व से परिचित हो सकेंगे | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

भारतीय काव्यशास्त्र

पाठ्यविषय :-

1 काव्य – लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार-श्रव्य, दृश्य, चंपू |

2 शब्द-शक्ति, काव्य-गुण, काव्य-दोष |

3 रस, अलंकार, रीति, ध्वनि और वक्रोक्ति सिद्धांतों का सामान्य परिचय |

4 10 प्रमुख काव्यालंकार और 10 छंद |

अलंकार :

1 अनुप्रास 2 वक्रोक्ति 3 यमक 4 श्लेष 5 उत्प्रेक्षा 6 उपमा 7 रूपक

8 विशेषोक्ति 9 विरोधाभास 10 अपह् नुति |

1 चौपाई 2 दोहा 3 रोला 4 सोरठा 5 त्रोटक 6 हरिगीतिका 7 छप्पय 8 सवैया 9 कुण्डलिया 10 बरवै |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 भारतीय काव्य शास्त्र – बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा प्रकाशन, दिल्ली |

2 काव्य के तत्व – देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

3 काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |

4 अलंकार मुक्तावली – देवेन्द्रनाथ शर्मा, भारती भवन, पटना |

5 काव्यशास्त्र चर्चा – देवकीनंदन श्रीवास्तव, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ |

6 हिन्दी छंद प्रकाश – रघुनन्दन शास्त्री, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली |

7 हिन्दी छान्दोलक्षण – नारायण दास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

8 भारतीय काव्यशास्त्र : योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

9 भारतीय काव्यशास्त्र : विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

10 भारतीय काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

C B C S

Core Course – 7

बी. ए. (आँनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 3 समय : तीन घंटे

पत्र – 7 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- क) हिन्दी कहानी की विकास यात्रा से परिचित होंगें |ख) हिन्दी की कुछ विशेष कहानियों के बारे में उनकी विशेषता सहित जान सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के विभिन्न प्रकार की उपयोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी कहानी

पाठ्यविषय :-

1 एक दुनिया समानांतर : सं. राजेंद्र यादव
चयनित कहानियाँ : प्रथम पांच कहानियाँ

2 आठ कहानियाँ : सं. ललित शुक्ल
चयनित कहानियाँ : प्रथम पांच कहानियाँ

संदर्भ – ग्रंथ :

1 हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
2 कहानीकार प्रेमचंद : रचना दृष्टि और रचना शिल्प, शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
3 कहानी : नयी कहानी नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद |
4 कुछ कहानियाँ : कुछ विचार विश्वनाथ त्रिपाठी |
5 नई कहानी : संदर्भ एवं प्रकृति देवीशंकर अवस्थी |
6 हिन्दी कहानी का इतिहास गोपाल राय राजकमल, नई दिल्ली |

C B C S

Core Course – 8

बी. ए. (आँनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 4 समय : तीन घंटे

पत्र – 8 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- क) हिन्दी भाषा की विकास यात्रा को जान सकेंगें |ख) देवनगरी लिपि के इतिहास और उसकी विशेषता को जान सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी भाषा एवं लिपि

पाठ्यविषय :-

1 (क) हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकर भाषाएँ | पुरानी हिन्दी, अपभ्रंश, अवहट् ट |
(ख) हिन्दी का भौगोलिक क्षेत्र एवं बोलियाँ, पूर्वी हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी |
2 हिन्दी की ध्वनि – संरचना, रूप-संरचना एवं वाक्य-संरचना |
3 हिन्दी का शब्द भंडार – तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली |
4 देवनागरी लिपि : इतिहास, मानकीकरण, वैज्ञानिकता, विशेषताएँ |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी – सुनिती कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
2 हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग |
3 हिन्दी भाषा का उदगम और विकास – उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, प्रयाग |
4 हिन्दी भाषा – हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद |
5 हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद |
6 नागरी लिपि और वर्तनी की संरचना – अनंतलाल चौधरी, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादेमी, पटना |
7 हिन्दी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
8 हिन्दी भाषा का इतिहास : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

9 भारतीय लिपियों की कहानी : गुणाकर मुले, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |

10 भाषा विज्ञान रसायन : कैलाशनाथ पाण्डेय, गाजीपुर साहित्य संवाद, गाजीपुर |

C B C S

Core Course – 9

बी. ए. (आँनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 4 समय : तीन घंटे

पत्र – 9 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क)हिन्दी के चार प्रमुख उप-यासों के माध्यम से रचनाकर के मंतव्य और वर्णित समाज का सच जान सकेंगे |ख) रचनाकर के उद्देश्य से परिचित हो सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के छात्र विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी उपन्यास

पाठ्यविशय :-

1 गबन : प्रेमचंद, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद |

2 दिव्या : यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

3 त्यागपत्र : जैनेन्द्र कुमार, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली |

4 महाभोज : मन्नू भण्डारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |

5

संदर्भ – ग्रंथ :

1 प्रेमचंद : रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |

2 हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |

3 हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

4 हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
5 यशपाल : पुर्नमूल्यांकन : कुँवरपाल सिंह |
6 जैनेन्द्र के उपन्यास : परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
7 दिव्या : इतिहास, संस्कृति और नारी विमर्श, नमिता सिंह, शिल्पायन, दिल्ली |
8 क्रन्तिकारी यशपाल : एक समर्पित वय्क्तित्व, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली |

C B C S

Core Course – 10

बी. ए. (आँनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 4 समय : तीन घंटे

पत्र – 10 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क) छात्रों के अन्दर सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होगा ख)|छात्र हिन्दी के श्रेष्ठ निबंधों, संस्मरणों के कुछ हिस्सों से परिचित हो सकेंगे | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी निबंध एवं अन्य गद् य विधाएँ

पाठ्यविषय :

1 रामचंद्र शुक्ल -

(क) श्रधाभक्ति (ख) क्रोध (ग) भय (घ) लोभ और प्रीति (ङ) उत्साह

ग्रंथ : चिंतामणि – भाग – 1, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रवचारिणी सभा, वाराणसी |

2 हजारीप्रसाद द्विवेदी -

(क) नाख़ून क्यों बढ़ते हैं (ख) आम फिर बौरा गये (ग) शिरीष के फूल

(घ) मनुष्य की सर्वोत्तम कृति : साहित्य (ङ) आन्तरिक शुचिता भी आवश्यक है |

ग्रंथ : कल्पलता – हजारीप्रसाद द्विवेदी

2 रेखाचित्र : बेनीपुरी ग्रंथावली, भाग-1, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

(क) सरयू भैया (ख) सुभान खॉ (ग) भौजी (घ) रजिया (ङ) बैजू मामा

4 संस्मरण : महादेवी वर्मा, अतीत के चलचित्र

(क) रामा (ख) घिसा (ग) लछमा (घ) बिन्दा (ङ) भाभी

संदर्भ – ग्रंथ :

1 हिन्दी का गद् य साहित्य – रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |

2 आचार्य रामचंद्र शुक्ल – डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |

3 रामचंद्र शुक्ल – मलयज प्रकाशन, दिल्ली |

4 हिन्दी निबंध और निबंधकार – रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |

5 हिन्दी ललित निबंध : स्वरूप विवेचन, वेदवती राठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

6 शान्तिनिकेतन से शिवालिक, शिवप्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |

7 व्योमकेश दरवेश, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

C B C S

Core Course – 11

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 5 समय : तीन घंटे

पत्र – 11 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क) पाश्चात्य काव्य शास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगें |ख) साहित्य को समझने में सिद्धांतों का उपयोग कर सकेंगें | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पाठ्यविषय :

1 प्लेटो, अरस्तू (अनुकरण, विरेचन)
2 होरेस, लोजांइनस
3 वडर्सवर्थ, मैथ्यू आर्नल्ड
4 टी. एस. इलिएट, आई. ए. रिचर्ड्स के साहित्य सिद्धांतों का सामान्य परिचय |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
2 पाश्चात्य समीक्षा दर्शन – जगदीशचंद्र जैन, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी |
3 पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
4 आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
5 पाश्चात्य काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
6 भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनामुलक अध्ययन – बच्चन सिंह, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी, चंडीगढ़ |
7 पाश्चात्य काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
8 पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृतियाँ : राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |

C B C S

Core Course – 12

बी. ए. (आँनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 5 समय : तीन घंटे

पत्र – 12 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क) हिन्दी के प्रमुख शुरुआती नाटकों , एकांकी से परिचित हो सकेंगें |ख) पठित एकांकी, नाटकों के लेखन उद्देश्य से परिचित हो सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी नाटक और एकांकी

पाठ्यविषय :

1 अंधेरी नगरी : भारतेन्दु हरिशचन्द्र
2 स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद
3 माधवी : भीष्म साहनी
4 हिन्दी एकांकी : सं. चंद्रगुप्त विद्यालंकार, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली |
(क) कौमुदी महोत्सव (ख) तौलिये (ग) स्ट्राईक (घ) बंदी (ङ) कॉफी हाउस में इंतजार |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद |
2 हिन्दी नाटक, उद् भव और विकास, डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली |
3 हिन्दी नाटक और रंगमंच – सं. राजमल बोरा, नारायण शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर |
4 प्रसाद के नाटक – डॉ. सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना |
5 हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – डॉ. सिद्धनाथ कुमार, ग्रंथम, कानपुर |
6 एकांकी कला – डॉ. रामकुमार वर्मा – नेशनल प्रेस, प्रयाग |
7 एकांकी और एकांकीकार : रामचरण महेंद्र, वाणी, नई दिल्ली |
8 हिन्दी नाटक : रंग शिल्प दर्शन :विकल गौतम, वाणी, नई दिल्ली |
9 नाटककार जगदीशचंद्र माथुर : गोविन्द चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |

C B C S

Core Course – 13

बी. ए. (आँनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 6 समय : तीन घंटे

पत्र – 13 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क) हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास जान सकेंगें ख)| हिन्दी पत्रकारिता के महत्व और उससे होने वाले लाभ से परिचित होंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता

पाठ्यविषय :

1 भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय एवं प्रवृतियाँ |
2 द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय एवं प्रवृतियाँ |
3 प्रेमचंद और छायावादयुगीन साहित्यिक पत्र-पत्रिकाएँ : परिचय एवं प्रवृतियाँ |
4 (क) स्वांतत्रोत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय एवं प्रवृतियाँ |
(ख) हिन्दी की महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ : बनारस अख़बार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिन्दोस्थान, आज, हंस, सारिका, कल्पना, विशाल भारत, धर्मयुग, जनसत्ता |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 हिन्दी पत्रकारिता : कृष्ण बिहारी मिश्र, ज्ञानपीठ, नई दिल्ली |
2 आधुनिक पत्रकारिता : अर्जुन तिवारी
3 पत्रकारिता के विविध संदर्भ : डॉ. वंशीधर लाल, अनुपम प्रकाशन, पटना |
4 पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य : जगदीशप्रसाद चतुर्वेदी, साहित्यिक संगम, इलाहबाद |
5 हिन्दी पत्रकारिता और गद्यशैली का विकास – डॉ. गंगानारायण त्रिपाठी, शांति प्रकाशन, इलाहबाद |
6 हिन्दी पत्रकारिता : बंगीय भूमिका, कृष्णबिहारी मिश्र |

C B C S

Core Course – 14

बी. ए. (आँनर्स) हिन्दी

सेमेस्टर – 6 समय : तीन घंटे

पत्र – 16 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेगे – क) हिन्दी के कार्यालयी उपयोग को जान सकेंगें ख) हिन्दी भाषा के व्यवसायिक रूप को पहचान सकेंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |*

प्रयोजनमूलक हिन्दी

पाठ्यविषय :

1 प्रयोजनमूलक हिन्दी : अभिप्राय, परिभाषा, हिन्दी के विविध रूप, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचारभाषा |
2 हिन्दी की संवैधानिक स्थिति, राजभाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग – समस्याएँ और सुझाव |
3 कार्यलयी प्रयोग में हिन्दी – सरकारी पत्र, अर्द्ध सरकारी पत्र, आदेश, निविदा, विज्ञापन, टिप्पणी एवं प्रारूपण |
4 (क) पारिभाषिक शब्दावली – निर्माण की प्रक्रिया, समस्याएँ एवं अनुप्रयोग |
(ख) प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद : अनुवाद के सिद्धांत और प्रकार |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 प्रयोजनमूलक हिन्दी – रविंद्रनाथ श्रीवास्तव, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा |
2 प्रयोजनमूलक हिन्दी – विजयपाल सिंह, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली |
3 प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, मोतीलाल बनारसीलाल, पटना |
4 प्रयोजनमूलक हिन्दी – सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
5 राजभाषा हिन्दी – कैलाशचंद्र भाटिया, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली |
6 बोलचाल की हिन्दी और संचार : मधु धवन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |

C B C S

D S E – 1

सेमेस्टर – 5 समय : तीन घंटे

पत्र – 1 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- क) भक्तिकाल के बड़े कवि कबीरदास की काव्यगत संवेदना से परिचित हो सकेंगे |ख) कबीरदास के मानवतावादी दृष्टिकोण को जान सकेंगे | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे|*

कबीरदास

पाठ्यविषय :-

1. कबीर : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

पाठ्यांश : 1, 5, 8, 20, 22, 32, 35, 41, 46, 55.

2. कबीर ग्रंथावली : सं. श्यामसुंदर दास

पाठ्यांश : गुरुदेव को अंग : प्रारंभिक 10 साखियाँ

संदर्भ – ग्रंथ :

1 कबीर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
2 कबीर का रहस्यवाद – डॉ. रामकुमार वर्मा |
3 कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी |
4 कबीर – डॉ. विजेन्द्र स्नातक |
5 अकथ कहानी प्रेम की, पुरुषोत्तम अग्रवाल |
6 कबीर, गोविन्द त्रिगुणायत |

C B C S
D S E – 2

सेमेस्टर – 5 समय : तीन घंटे

पत्र – 2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- क) हिन्दी भाषा के व्याकरणिक पक्ष को जान सकेंगे | ख) हिन्दी वर्ण के प्रकार को जान सकेंगें | **विशेष** – अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |*

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

पाठ्यविषय :-

कविताएँ :

1

(क) सखि, वसन्त आया
(ख) जूही की कलि
(ग) जागो फिर एक बार : 2
(घ) बादल-राग - 6
(ङ) वर दे विणावादिनी वर दे !
(च) भारति, जय विजय करे !
(छ) तोड़ती पत्थर
(ज) बाहर मैं कर दिया गया ?
(झ) स्नेह-निर्झर बह गया है
(ञ) गहन है यह अन्धकारा

कथा साहित्य – बिल्लेसुर बकरिहा

1 निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
2 क्रांतिकारी कवि निराला – बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
3 निराला के सृजन सीमांत – डॉ. अर्चना वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
4 निराला कृति से साक्षात्कार – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |

5 निराला : आत्महंता आस्था, दूधनाथ सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद |

6 निराला, रामविलास शर्मा, राजकमल, नई दिल्ली |

C B C S
D S E – 3

सेमेस्टर – 6 समय : तीन घंटे

पत्र – 3 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- क) भक्तिकाल के कवि तुलसीदास की काव्य विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे | ख) तुलसीदास के कव्य में निहित भक्ति भावना के स्वरुप को पहचान सकेंगे | ***विशेष -*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |*

तुलसीदास

पाठ्यविषय :-

1 रामचरितमानस : अयोध्याकाण्ड (दोहा संख्या 67 से 96 तक) गीताप्रेस, गोरखपुर |

2 कवितावली, गीताप्रेस, गोरखपुर, (केवल उत्तरकांड, 30 छंद) छंद संख्या, 29,35,37,44,45,60,67,73,74,84,88,89,102,103,108,119,122,126,132,134,136, 140,141,146,153,155,161,165,182,229.

3 गीतावली (केवल बालकाण्ड 20 पद) गीताप्रेस गोरखपुर – पद संख्या 7,8,9,10,18,24,26, 31,33,36,44,73,95,97,101,104,105,106,107,110,

4 विनय पत्रिका – गीताप्रेस गोरखपुर (चुने हुए कुल 40 पद) पद संख्या 1,5,17,30,36,41, 5,72,78,79,85,89,90,94,100,101,102,103,104,105.

संदर्भ – ग्रंथ :

1 रामचरितमानस का सौंदर्य तत्व – डॉ. कविश्वर ठाकुर, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली |

2 रामचरितमानस : सं. डॉ. सुधाकर पाण्डेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
3 तुलसी साहित्य विमर्श – डॉ. देवकीनंदन श्रीवास्तव, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ |
4 गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
5 जन जन के कवि तुलसीदास : डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
6 तुलसीदास और उनका युग, राजपति दीक्षित |
7 तुलसीदर्शन, उदयभानु सिंह |
8 रामकथा, फादर कामिल बुल्के |

C B C S
D S E – 4

सेमेस्टर – 6 समय : तीन घंटे

पत्र – 4 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- क) स्वन्त्रता आंदोलन को ध्यान रखकर लिखे गए काव्य के बारे में जान सकेगे |ख) राष्ट्रीय काव्य धारा के महत्व और काव्य विशेषता से परिचित हो सकेंगे | ***विशेष -*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा

पाठ्यविषय :-

1 मैथिलीशरण गुप्त – भारत भारती : भारत की श्रेष्ठता, हमारे पूर्वज, आर्य स्त्रियाँ, हमारी सभ्यता, हमारी विद्या बुद्धि
2 माखनलाल चतुर्वेदी – हिमकिरीटिनी : अंतिम पांच कविताएँ
3 रामधारी सिंह 'दिनकर' रश्मिरथी – सर्ग – 3
4 सुभद्रा कुमारी चौहान – मुकुल : प्रारंभिक 5 कविताएँ

संदर्भ – ग्रंथ :

1 दिनकर के काव्य में इतिहास और राजनीति – डॉ. सुभाषचंद्र राय, गौरव बुक डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली |
2 दिनकर – डॉ. सावित्री सिन्हा
3 मैथिलीशरण गुप्त, नंदकिशोर नवल, राजकमल, नई दिल्ली |
4 सुभद्रा कुमारी चौहान, सुधा चौहान
5 माखनलाल चतुर्वेदी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली |

C B C S
G E C – 1

सेमेस्टर – 1
जीईसी – 1

समय : तीन घंटे
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36
लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24
आन्तरिक परीक्षा : = 15
कुल = 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे - क) सर्जनात्मक लेखन के विविध रूप से परिचित हो सकेंगे | ख) सर्जनात्मक लेखन के महत्व परिचित हो सकेंगे | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे |*

सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

पाठ्यविषय :-

1 रिपोतार्ज : अर्थ, स्वरूप, रिपोतार्ज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोतार्ज और फीचर लेखन – प्रविधि |
2 फीचर लेखन : विषय – चयन, सामग्री – निर्धारण, लेखन – प्रविधि | सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन |
3 साक्षात्कार (इण्टरव्यू , भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार – प्रविधि, महत्व |
4 स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन | सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट | बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 हिन्दी रिपोर्ताज, वीरपाल शर्मा, कुसुम प्रकाशन, मुजफ्फरपुर |
2 हिन्दी विधाएँ : सर्जनात्मक अध्ययन / बैजनाथ सिंघल, हरियाणा साहित्य अकादेमी, चंडीगढ़ |
3 आधुनिक गद् य की विविध विधाएँ, उदयभान सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
4 हिन्दी की विधाएँ : पुर्नविचार, हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

C B C S
G E C - 2

सेमेस्टर – 2 समय : तीन घंटे

जीईसी – 2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें – क) भारतीय साहित्य की महत्वपूर्ण रचनाओं से परिचित होंगें |
***विशेष** -अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |*

आधुनिक भारतीय साहित्य

पाठ्यविषय :-

1 छ: माण आठ गुण – फकीर मोहन सेनापति
2 गोरा – रवीन्द्रनाथ ठाकुर
3 मृत्युंजय – शिवाजी सामंत
4 आवरण – भैरप्पा

संदर्भ – ग्रंथ :

1 भारतीय साहित्य – डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
2 भारतीय साहित्य : डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपरबैक, नई दिल्ली |
3 भारतीय साहित्य : डॉ. सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
4 भारतीय साहित्य की भूमिका, रामविलास शर्मा, राजकमल, नई दिल्ली |

C B C S
G E C - 3

सेमेस्टर – 3 | समय : तीन घंटे

जीईसी – 3 | दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- क) विभिन्न पाश्चात् और भारतीय दार्शनिक चिंतन के बारे में जान सकेंगें | ख)इस दार्शनिक चिंतनों का महत्व जान पाएंगें | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपशंत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |*

पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य

पाठ्यविषय :-

1 अभिव्यंजनावाद एवं स्वच्छंदतावाद
2 अस्तित्ववाद एवं मनोविश्लेषणवाद
3 मार्क्सवाद एवं आधुनिकतावाद
4 संरचनावाद एवं शैलीविज्ञान

संदर्भ - ग्रंथ :

1 पश्चिम का काव्य-विचार – डॉ. अजय तिवारी, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली |
2 पाश्चात्य काव्य शास्त्र का इतिहास – डॉ. तारकनाथ बाली, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली |
3 पाश्चात्य काव्य शास्त्र – डॉ. भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
4 पाश्चात्य काव्य शास्त्र – डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली \
5 पाश्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन
6 पाश्चात्य समीक्षा दर्शन : जगदीशचंद्र जैन

C B C S

G E C – 4

सेमेस्टर – 4 समय : तीन घंटे

जीईसी – 4 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : 3 x 12 = 36

लघुत्तरिय प्रश्न : 3 x 8 = 24

आन्तरिक परीक्षा : = 15

कुल = 75

*इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- क) पत्र पत्रिकाओं के संपादन से सम्बंधित तथ्यों को जान सकेंगें |ख) पत्र पत्रिकाओं की सामग्री से परिचित हो सकेंगें | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |*

संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा

पाठ्यविषय :-

1 संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, संपादन-कला के सामान्य सिद्धांत | संपादक और उपसंपादक : योग्यता, दायित्व और महत्व |

2 समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक – लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और संपादन | संपादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका | प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली | संपादकीय लेखन : प्रमुख तत्व एवं प्राविधि | संपादकीय का सामाजिक प्रभाव |

3 समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका संपादन | साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएँ | छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का संपादन |

4 साज – सज्जा और तैयारी : ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धांत | मुद्रण के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ – निर्माण (डमी), पत्रिका की साज – सज्जा, रंग – संयोजन |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 पत्रकारिता के विविध संदर्भ, वंशीधरलाल, अनुपम प्रकाशन, पटना |

2 हिन्दी पत्रकारिता और गद्यशैली का विकास, गंगानारायण त्रिपाठी शांतिप्रकाशन, इलाहाबाद |

3 समाचारपत्रों का इतिहास, अंबिका प्रसाद वाजपेयी, ज्ञानमंडल, वाराणसी |

4 पत्रकारिता के पहलू, राजकिशोर, साहित्य सदन, कानपुर |

C B C S

S E C – 1

सेमेस्टर – 3 समय : तीन घंटे

एसईसी – 1

कुल = 25

इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- क) हिन्दी भाषा से सम्बंधित सामान्य और जरुरी तथ्यों को जान सकेंगें | ख) शब्दों के विविध रूप से परिचित हो सकेंगें |ख) अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |

भाषा शिक्षण

पाठ्यविषय :-

1 हिन्दी भाषा एवं शब्द भण्डार – तत्सम, तद् भव, देशज, कृत्रिम |

2 भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर – प्रारंभिक कक्षाओं में, उच्च शिक्षा संस्थाओं में, हिन्दीतर भाषियों, विभाषियों के बीच द्वितीय भाषा के रूप में |

3 भाषा विज्ञान के मूलाधार – व्याकरण बोध, मानक वर्तनी का ज्ञान, शुद् वाक्य विन्यास, वैज्ञानिक उच्चारण, मानकीकृत देवनागरी लिपि का अध्ययन |

4 पर्यायवाची, समानार्थक, विलोम, गुढ़ार्थवाची, सम्श्रुत, अनेक, शब्दों के लिए एक शब्दयुग्म और हिन्दी का अनुप्रयोगात्मक व्याकरण / हिन्दी भाषा का भविष्य |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 भाषाविज्ञान का रसायन – डॉ. कैलाशनाथ पाण्डेय, गाजीपुर साहित्य संसद, गाजीपुर |

2 हिन्दी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली |

3 हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास – डॉ. उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद |

4 भाषाविज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

5 हिन्दी भाषा और स्वरूप – कैलाशचंद्र भाटिया, ग्रंथ अकादेमी प्रकाशन, दिल्ली |

6 भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी |

7 सामान्य भाषाविज्ञान – बाबूराम सक्सेना |

C B C S

S E C – 2

सेमेस्टर – 4 समय : तीन घंटे

एसईसी – 2

कुल =25

*इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें- क) अनुवाद के प्रकार से परिचित होंगें ख) अनुवाद के महत्व से परिचित होंगें | **विशेष-** अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |*

अनुवाद विज्ञान

पाठ्यविषय :-

1 अनुवाद का तात्पर्य, अनुवाद के विभिन्न्य प्रकार – भाषान्तरण, सारानुवाद तथा रूपान्तरण में साम्य –वैषम्य | अनुवाद के प्रमुख प्रकार-कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान-विज्ञानपरक, विधिक, वाणिज्यिक |

2 अनुवाद के शिल्पगत भेद : अविकल अनुवाद (लिटरल), भावानुवाद, छायानुवाद, आशु अनुवाद, नाट्यानुवाद डबिंग, कम्प्यूटर, अनुवाद | साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रूप-काव्यानुवाद, कथानुवाद, नाट्यानुवाद |

3 वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली का अनुवाद, मुहावरे, लोकोक्तियों का अनुवाद, संक्षिप्ताक्षरों तथा कूटपदों का अनुवाद | अनुवाद की अर्हता और सफल अनुवाद के गुण |

4 अनुवाद : प्रयोगात्मक : अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद |

संदर्भ – ग्रंथ :

1 कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ – डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली |

2 विदेश भाषाओँ से अनुवाद की समस्याएँ – डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली |

3 अनुवाद : भाषाएँ – डॉ. विश्वनाथ अय्यर, ज्ञान गंगा, दिल्ली |

4 वैज्ञानिक साहित्यिक अनुवाद की समस्याएं | डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रकाशन, दिल्ली |

5 अनुवाद सिद्धांत और व्याख्यान, मंजुला दास, पराग प्रकाशन, दिल्ली |

6 अनुवाद की समस्याएँ , जी. गोपीनाथ, लोकभारती, इलाहावाद |

C B C S

AECC

MIL (HINDI)

Paper – 1

सेमेस्टर 1 समय : तीन

घंटे ए इ सी सी

कुल =25

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगे- क) हिन्दी व्याकरण के स्वरुप से परिचित होंगे ख) हिन्दी व्याकरण के स्वरुप, मुख्य विषय से परिचित होंगे | ***विशेष-*** *अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से सफल हो सकेंगें |*

हिन्दी व्याकरण और रचना

पाठ्यविषय :-

1. हिन्दी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय | उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास | पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियाँ |
2. पत्र – लेखन : व्यक्तिगत, व्यावसायिक, सरकारी, अर्धसरकारी, सूचना, परिपत्र |
3. पल्लवन और संक्षेपण, भावार्थ लेखन |
4. निबंध लेखन : समसामयिक, सामाजिक, जीवनीपरक और विज्ञान संबंधी |

संदर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, वसुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना |
2. हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुप्त
3. हिन्दी निबंध रत्नाकर – डॉ. सुनीता चौहान, राधा प्रकाशन, आगरा |
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी, कमलेश्वर भट्ट एवं कमला कौशिक, शारदा प्रकाशन, दिल्ली |

C B C S

AECC

MIL (HINDI)

paper – II

समय : तीन घंटे

कुल =25

*इस पाठ के अध्ययन के उपरांत छात्र जान सकेंगें- क) हिन्दी भाषा के व्याकरणिक पक्ष को जान सकेंगे |ख) हिन्दी वर्ण के प्रकार को जान सकेंगें | **विशेष** – अध्ययन के उपशंत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगें |*

हिन्दी भाषा और संप्रेषण

पाठ्यविषय :-

1 भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप | हिन्दी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी |

2 हिन्दी की वर्ण – व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन | स्वर के प्रकार – हस्व, दीर्घ, तथा संयुक्त | व्यंजन के प्रकार – स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्प्रप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष | वर्णों का उच्चारण स्थान : कंठ्य, तालव्य, मुर्द्धन्य, दन्त्य ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य |

3 बलाघात, संगम, अनुतान, तथा संधि |

4 भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वचन तथा लेखन | हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य | वाक्य भेद | वाक्य का रूपान्तर |

संदर्भ ग्रंथ –

1 भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली |
2 हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली |
3 भाषाविज्ञान – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
4 हिन्दी भाषा का उद् गम और विकास – उदयनारायण तिवारी, लोकभारती, इलाहावाद |
5 आधुनिक भाषाविज्ञान – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |